an>

Title: Need to issue Scheduled Tribes certificate to Manjhi, Manjhva, Saura and Pathari Tribes in Janjgir Champa Parliamentary Constituency.

श्रीमती कमला पाटले (जांजगीर-चाम्पा): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मेरे निर्वाचन क्षेत्र के मांझी, मँझवा, सौंरा व पठारी जनजाति के लोगों को सूची में शामिल होने के बाद भी रोमन लिपि में लिखे जाने, उच्चारण में अंतर होने, मात्रा अथवा वर्तनी की त्रुटि होने जैसे कारणों से अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र जारी नहीं कर पाने के कारण संवैधानिक लाभों से वंचित होना पड़ रहा है।

महोदय, इस संबंध में माननीय मुख्य मंत्री जी ने इसी प्रकार प्रदेश की अन्य जनजातियों, जैसे भरिया, भुंइहर, पंडोह, गदबा, गोंड़, नागवंशी, तँवर क्षत्री, सौंरवार, गोंद, गोड़ाकू, भांगड़, पठारी की विसंगतियों को दूर करने के लिए केन्द्र सरकार से प्रस्ताव सहित आग्रह किया है जिस पर माननीय मंत्री जी भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय ने अवगत कराया है कि कार्यदल ने अपनी अनुशंसा सहित सरकार को विचार के लिए अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है।

सरकार से मेरी मांग है कि इस प्रकार जाति के नामों में मात्रात्मक वर्तनी, ध्वन्यात्मक विसंगति को दूर करने पर शीघ्र विचार करें तथा इन जनजातियों के परिवारों को शिक्षा, नौकरी एवं अन्य संवैधानिक लाभों हेतु अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सरकार को निर्देश जारी करें।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Dr. Manoj Rajoria is allowed to associate with the matter raised by Shrimati Kamla Devi Patole.

Shri C.Mahendran – not present.